Resource: मुख्य शब्द (Biblica)

Biblica Study Notes (Key Terms) © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license. Biblica Study Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文)from Biblica Study Notes © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual.

मुख्य शब्द (Biblica)

न

नई वाचा

वादों का वह समूह जो परमेश्वर ने अपने लोगों से तब किया था जब वे निर्वासन से लौटे थे। यह हमेशा के लिए रहेगा। परमेश्वर अपने लोगों को वफ़ादारी से उसका पालन करने में सक्षम बनाएगा। वह उनके पापों और उनके बुरे तरीकों को क्षमा करके ऐसा करेगा। परमेश्वर ने सबसे पहले भविष्यवक्ताओं यिर्मयाह और यहेजकेल के माध्यम से नई वाचा की घोषणा की। कई वर्षों बाद यीशु ने इसकी घोषणा की। यीशु ने लोगों को पाप और मृत्यु से बचाने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। फिर वह मृतकों में से जीवित हो उठा। इससे नई वाचा प्रभाव में आई। नई वाचा में, वे सभी जो उन्हें बचाने के लिए यीशु पर भरोसा करते हैं, परमेश्वर के लोगों का हिस्सा हैं। वे परमेश्वर के द्वारा सही बनाए गए हैं। पवित्र आत्मा उन्हें यीशु का अनुसरण करने और ईमानदारी से परमेश्वर की आज्ञा मानने में सक्षम बनाता है।

नई सृष्टि

वह संसार जब परमेश्वर सब कुछ नया बनाता है। इसे नया स्वर्ग और नई पृथ्वी कहा जाता है। इसे आने वाली दुनिया भी कहा जाता है। इसमें वह सब कुछ शामिल है जो परमेश्वर ने बनाया है। नई सृष्टि तब आएगी जब परमेश्वर बुराई पर पूरी तरह से युद्ध जीत लेगा। यीशु पूरी तरह से राजा बनकर शासन करेंगे। वह अपने अनुयायियों को मृतकों में से जीवित करेंगे और उन्हें नये शरीर देंगे। वे सदैव परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन का आनंद उठाएँगे। पुनरुत्थान के बाद यीशु का शरीर नई सृष्टि का पहला संकेत था।

नए यरूशलेम

वह शहर जिसे यूहन्न ने दर्शन में देखा था, परमेश्वर ने उसे भविष्य के बारे में दिखाया था। ये दर्शन प्रकाशितवाक्य में दर्ज किये गये थे। इस्राएल में यरूशलेम में, परमेश्वर ने मंदिर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भविष्य के नये यरूशलेम में, परमेश्वर हर जगह पूर्ण रूप से मौजूद होंगे। वह सदैव मनुष्यों के साथ रहेंगे। वहाँ कोई कष्ट, मृत्यु या पाप नहीं होगा। जीवन वैसा ही होगा जैसा परमेश्वर हमेशा अपनी रचना के लिए चाहते थे। नये यरूशलेम को मेम्ने की दुल्हन कहा जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि परमेश्वर के सभी लोग वहाँ रहते हैं। इसे परमेश्वर का शहर और स्वर्गीय यरूशलेम भी कहा जाता है। नये यरूशलेम में परमेश्वर राजा के रूप में शासन करेगा। वह अपने अधिकार को अपने वफादार अनुयायियों के साथ साझा करेंगे।

नदी नील

अफ्रीका की सबसे लंबी नदी। यह अफ्रीका के उत्तरपूर्वी भाग से भूमध्य समुद्र तक बहती है। नील नदी के आसपास की मिट्टी बहुत उपजाऊ और खेती के लिए अच्छी है।

नदी फ़रात

एक नदी जो उन देशों से होकर बहती है जिन्हें अब तुर्की, सीरिया और इराक कहा जाता है। यह बेबीलोन और फारस राज्यों में एक महत्वपूर्ण नदी थी। यीशु के समय में, फ़रात नदी रोमी सरकार की भूमि की सीमाओं में से एक थी।

नदी यरदन

इस्राएल की भूमि में सबसे बड़ी नदी। यह गलील सागर से मृत सागर तक उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है।

नबी

एक व्यक्ति जिसे परमेश्वर ने बोलने के लिए चुना। पुराने नियम में नबियों ने अपने लोगों या अन्य राष्ट्रों को परमेश्वर का संदेश दिया। नबी इस्राएल और यहूदा के राजाओं के सलाहकार थे। उन्हें राजा को बताना था जब वह परमेश्वर के प्रति वफादार नहीं था। यीशु के समय से पहले कई नबियों की भविष्यवाणियाँ लिखी गई थीं। (झूठा नबी)

नबूकदनेस्सर

कसदी लोगों के समूह से बेबीलोन का एक राजा। परमेश्वर ने उसे दक्षिणी राज्य के विरुद्ध न्याय लाने के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोग किया। वर्ष 586 ईसा पूर्व में उसकी सेनाओं ने यरूशलेम और मंदिर को नष्ट कर दिया। भविष्यवक्ता दानिय्येल ने उसे नबूकदनेस्सर के कुछ स्वप्नों के बारे में बताया। नबूकदनेस्सर झूठे देवताओं की उपासना करता था लेकिन मानता था कि यहूदियों के परमेश्वर के पास अधिकार था।

नया गीत

गीत के माध्यम से परमेश्वर के कामों के लिए उनकी स्तुति करें और धन्यवाद दें। नए गीत किसी व्यक्ति या समूह के द्वारा परमेश्वर की करुणा को नए तरीकों से देखने पर आधारित होती हैं। ये गीत प्रत्येक व्यक्ति या समूह के परमेश्वर के साथ विशेष संबंध पर आधारित होती हैं।

नया जन्म

जब लोग यीशु को राजा और उद्धारकर्ता मानते हैं तो क्या होता है इसका वर्णन करने का एक तरीका। वे पाप के दास के रूप में जीना बंद कर देते हैं। पाप का दास होना ऐसा है जैसे आत्मिक रूप से मृत होना, भले ही शरीर जीवित हो। जब लोग यीशु पर विश्वास करते हैं, तो वह उनकी आत्मा को नया जीवन देता है। यह नया जन्म एक आत्मिक जन्म है। यह किसी के शरीर के जन्म लेने जैसा नहीं है। उनके शरीर के लिए नया जीवन बाद में आएगा जब परमेश्वर लोगों को मृतकों में से जी उठाएंगे।

नया नियम

बाइबिल की अंतिम 27 पुस्तकें। इसमें सुसमाचार और कलीसिया की शुरुआत के बारे में पुस्तक शामिल है। इसमें कई पत्र और एक सर्वनाशकारी लेखन की भी शामिल है।

नरक

जो लोग परमेश्वर के राज्य का हिस्सा बनने से इनकार करते हैं उनके लिए पूरी तरह से बर्बाद होने का स्थान।

नव-वर्ष का पर्व

सातवें महीने के पहले दिन में, मेढ़ों के सींग तुरही की तरह फूंके जाते थे। यह उस दिन से नौ दिन पहले होता था जब पापों का प्रायश्चित किया जाता था। इस्राएली उन दिनों का उपयोग आराम करने और अपने पापों के बारे में सोचने और उन्हें स्वीकार करने के लिए करते थे। वे प्रायश्चित के दिन के लिए तैयार होने के लिए उनका उपयोग करते थे। इस पर्व को अब रोश हशनाह कहा जाता है। यह अब यहूदियों के लिए नए साल का पहला दिन माना जाता है।

नसरत के युसूफ

नसरत की मरियम के पति। वह दाऊद के वंश से थे और परमेश्वर की निष्ठापूर्वक सेवा करते थे। वह लकड़ी, ईंट और धातु के काम में कुशल बढ़ई थे। वह यीशु के पिता नहीं थे लेकिन उन्होंने यीशु को अपने बेटे के रूप में अपनाया। उन्होंने यीशु की देखभाल की और जब वह छोटे थे तब उनकी रक्षा की।

नहेम्याह

एक यहूदी जो शूशन से यरूशलेम लौट आया। वह हकल्याह का पुत्र था और हनानी उसका भाई था। वह फ़ारसी सरकार का एक विश्वसनीय अधिकारी था। वह अर्तक्षत्र का पिलानेहर था। इसका मतलब यह था कि उसने यह सुनिश्चित किया कि राजा का भोजन और दाखरस जहरीली न हो। उन्होंने दो बार यरूशलेम के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। उन्होंने यरूशलेम की दीवार के पुनर्निर्माण के लिए यहूदियों का नेतृत्व किया।

नाज़ीर

वे पुरुष और महिलाएँ जो परमेश्वर की सेवा करने के लिए स्वयं को अलग करना चाहते थे। इब्रानी भाषा में नाज़ीर शब्द का अर्थ है अलग होना या हटके रहना। परमेश्वर ने कुछ इस्राएलियों को उसकी सेवा के लिये अलग करने की आज्ञा दी। दूसरों ने ऐसा करना चुना और नाज़ीर कहलाये। उन्होंने एक निश्चित समय तक परमेश्वर की सेवा करने का वादा किया। उन्हें दाखरस से बचना था और अपने बाल लंबे करने थे। उन्हें किसी भी चीज़ या किसी भी व्यक्ति से दूर रहना था जो मर गया था। ये अन्य इस्राएलियों के लिए संकेत थे कि नाज़ीर पूरी तरह से परमेश्वर के प्रति समर्पित थे। अलग किए जाने के अपने समय के अंत में उन्होंने जश्न मनाया। उन्होंने अपना सिर मुंडवाकर और बलिदान चढ़ाकर ऐसा किया।

नातान

उस समय का एक भविष्यवक्ता जब दाऊद राजा था। वह दाऊद का करीबी सलाहकार था। उसने दाऊद को दाऊद के परिवार के लिए परमेश्वर के वादों के बारे में संदेश दिया। जब दाऊद ने बुरे काम किये तो उसने दाऊद को चुनौती दी। नातान ने दाऊद के बाद राजा के रूप में सुलैमान का समर्थन किया।

नादाब और अबीहू

हारून और एलीशेबा के बड़े बेटे लेवी के गोत्र से थे। उनके भाई एलीआजर और ईतामार थे। वे मूसा और हारून के साथ सीनै पहाड़ पर थे जब परमेश्वर ने वाचा स्थापित की। उन्हें याजको के रूप में अलग किया गया था। उन्होंने जिस तरह से लोगों की आराधना में अगुवाई की, उसमें परमेश्वर की अवहेलना की। इसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।

नाम

बाइबिल के समय और स्थानों में, नाम बहुत महत्वपूर्ण थे। वे किसी के बारे में बात करने का एक तरीके से अधिक थे। वे यह दिखाने का एक तरीका था कि वह व्यक्ति कौन था और वह कैसा था। यह परमेश्वर के बारे में भी सच माना जाता था। परमेश्वर के नाम के बारे में कुछ भी कहना परमेश्वर के बारे में कुछ कहने के समान था। परमेश्वर के नाम पर भरोसा करना परमेश्वर पर भरोसा करने के समान था।

नामान

अराम की सेना का एक महत्वपूर्ण सेनापति। एक युवा इस्राएली लड़की उसके घर में दासी थी। उसने उसकी सलाह का पालन करते हुए एलीशा से अपने त्वचा रोग को ठीक करने के लिए कहा। पहले तो नामान ने एलीशा के निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दिया। परन्तु जब उस ने अपने आप को नम्र बनाया और आज्ञा मानी, तो वह चंगा हो गया। फिर उसे परमेश्वर पर विश्वास हो गया। जब वह अराम लौटा तो उसने केवल परमेश्वर की आराधना की।

नासरत

गलील के दक्षिणी भाग में वह छोटा शहर जहाँ यीशु बड़े हुए। नासरत गलील सागर और भूमध्य सागर के बीच में है।

नासरत की मरियम

नासरत की एक युवा महिला जिसने परमेश्वर की निष्ठा से सेवा की। उसने नासरत के एक व्यक्ति जिसका नाम यूसुफ था, से शादी करने का वादा किया।किसी पुरुष के साथ यौन संबंध न बनाने के बावजूद भी वह गर्भवती हो गई। पवित्र आत्मा की शक्ति ने इसे संभव बनाया। वह मसीहा यीशु की मानवीय माँ थी।

निर्गमन

जब परमेश्वर ने मूसा का उपयोग मिस्र में गुलामी से इस्राएलियों को बचाने के लिए किया। यूनानी भाषा में 'निर्गमन' शब्द का अर्थ है बाहर निकलना या छोड़ना। निर्गमन वह समय था जब परमेश्वर ने स्वयं को इस्राएल का उद्धारकर्ता दिखाया। उन्होंने महान कार्य किए और फिरौन, मिस्र और मिस्र के झूठे देवताओं के खिलाफ न्याय लाए। निर्गमन उस उद्धार की तस्वीर है जो परमेश्वर सभी मनुष्यों को प्रदान करता है। मेमनों की मृत्यु यीशु की कई वर्षों बाद की मृत्यु की तस्वीर है। यीशु को परमेश्वर के मेमने के रूप में बलिदान किया गया था। इस्राएलियों को बचाने के लिए मेमनों का खून दरवाजों पर लगाया गया था। यह इस बात की तस्वीर है कि कैसे यीशु का खून उन लोगों को बचाता है जो उस पर विश्वास करते हैं। इस्राएली दासता से मुक्त हो गए। यह इस बात की तस्वीर है कि कैसे परमेश्वर उन लोगों को मुक्त करता है जो उस पर भरोसा करते हैं। वह उन्हें पाप, मृत्यु और बुरी शक्तियों कि गुलामी से मुक्त करते है।

नीकुदेमुस

एक यहूदी शासक और एक फरीसी जो यीशु पर विश्वास करता था और गुप्त रूप से उसका अनुसरण करता था। उसने एक रात यीशु के साथ एक महत्वपूर्ण बातचीत की। जब यीशु की मृत्यु हुई, तो नीकुदेमुस ने यीशु के शरीर को दफनाने के लिए तैयार करने में मदद की।

नीतिवाचन

एक छोटी और बुद्धिमान कहावत। नीतिवाचन तब अस्तित्व में आती हैं जब कोई व्यक्ति या समुदाय दुनिया में जीवन का अध्ययन करता है। जैसे-जैसे वे अध्ययन करते हैं, वे सबक सीखते हैं और आदर्श पर ध्यान देते हैं। ये आदर्श इस बारे में होते हैं कि दुनिया में जीवन कैसे काम करता है। व्यक्ति या समुदाय इन सबक और आदर्श को एक छोटी कविता की तरह शब्दों में डालता है। कहावतें परिवारों और समुदायों के भीतर सैकड़ों वर्षों तक संदेशवाहक होती हैं। एक कहावत

यह वादा नहीं करती कि जीवन हमेशा उस आदर्श के अनुसार काम करता है जिसका यह वर्णन करती है।

नीनवे

अश्शूर सरकार की राजधानी। यह अब इराक कहलाने वाले देश में हिद्देकेल नदी पर स्थित थी। वहाँ रहने वाले लोग हिंसक और बुरे काम करने के लिए जाने जाते थे। 612 ईसा पूर्व में बेबीलोन सरकार ने नीनवे और अश्शूर सरकार पर नियंत्रण कर लिया।

नूह

शेत के परिवार में लेमेक का पुत्र। वह शेम, हाम और येपेत का पिता था और उसने ईमानदारी से परमेश्वर का अनुसरण किया। जब परमेश्वर ने जलप्रलय के माध्यम से पृथ्वी को नष्ट कर दिया तो परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को बचाया। परमेश्वर ने नूह के साथ एक वाचा बाँधी।

नूह के साथ वाचा

परमेश्वर ने दुनिया को बचाने की अपनी योजना में नूह और उसके परिवार के माध्यम से काम करने का चयन किया। परमेश्वर ने उनके साथ और उनके बाद पैदा हुए सभी बच्चों के साथ एक वाचा बनाकर यह दिखाया। वाचा उन सभी प्राणियों के साथ भी थी जो जहाज में थे। यह पृथ्वी पर सभी जीवन के साथ थी। मनुष्यों और जानवरों को पृथ्वी को भरना था। किसी भी मनुष्य को मारा नहीं जाना था। परमेश्वर ने वादा किया कि वह फिर कभी भूमि को शाप नहीं देंगे। उन्होंने वादा किया कि वह फिर कभी बाढ़ से पृथ्वी पर सभी जीवन को नष्ट नहीं करेंगे। इंद्रधनुष वाचा का संकेत था।